भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *370

दिनांक 20 दिसंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

सिकल सेल रोग के उपचार के लिए संस्थान

***370. श्री बृजमोहन अग्रवाल:**

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या छत्तीसगढ़ में सिकल सेल रोग (सिकल सेल एनीमिया) के उपचार के लिए कोई संस्थान है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यह संस्थान कब से कार्यशील हुआ है;

(ख) क्या सरकार ने उक्त रोग के लिए किसी संस्थान की स्थापना को मंजूरी दी है, यदि हां, तो इस प्रयोजन के लिए स्थापित संस्थान की श्रेणी सहित ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने उक्त रोग के उपचार और संस्थान की स्थापना के लिए कोई धनराशि संस्वीकृत की है और यदि हां, तो कितनी धनराशि संस्वीकृत की गई और उक्त धनराशि किन-किन मदों के अंतर्गत आवंटित की गई है; और

(घ) छत्तीसगढ़ में उक्त सिकल सेल एनीमिया रोग के व्यापक प्रसार को देखते हुए इसके रोग की रोकथाम और रोगियों के उपचार में सुगमता के लिए सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है/किए जाने का विचार है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री

(श्री जगत प्रकाश नड्डा)

(क) से (घ): विवरण सभा के पटल पर रख दिया गया है।

दिनांक 20 दिसंबर, 2024 को उत्तर के लिए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. *370 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): सिकल सेल इंस्टीट्यूट छत्तीसगढ़ (एससीआईसी), रायपुर, सिकल सेल रोग (एससीडी) से संबंधित उपचार, अनुसंधान, परामर्श और प्रशिक्षण पर अभिकेंद्रित विशेष संस्थान है, जिसे छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा स्थापित किया गया है और यह वर्ष 2013 से कार्यशील है।

(ख) से (घ): माननीय प्रधानमंत्री द्वारा सिकल सेल रोग (एससीडी) के उन्मूलन हेतु दिनांक 1 जुलाई, 2023 को मध्य प्रदेश से राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन (एनएससीईएम) की शुरुआत की गई है। इस मिशन का उद्देश्य सभी सिकल सेल रोगियों को किफ़ायती, सुलभ और गुणवत्तापरक परिचर्या प्रदान करना, जागरूकता सृजन के जरिए एससीडी की व्याप्तता को कम करना, जनजातीय क्षेत्रों के प्रभावित जिलों में वर्ष 2025-26 तक 0-40 वर्ष की आयु के 7 करोड़ लोगों की लक्षित जांच करना और केंद्रीय मंत्रालयों और राज्य सरकारों के सहयोगात्मक प्रयासों के जरिए परामर्श देना है। एनएससीईएम के तहत जिला अस्पतालों से लेकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) स्तर तक सभी स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों में जांच की जाती है। दिनांक 15.12.2024 की स्थिति के अनुसार 17 निर्धारित राज्यों के जनजातीय बहुल क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ के 1,45,53,398 लोगों सहित कुल 4,84,24,580 लोगों की जांच की जा चुकी है।

हाइड्रोक्सीयूरिया को उप स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी)/ शहरी पीएचसी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की अनिवार्य औषधि सूची में शामिल किया गया है ताकि औषधिओं की उपलब्धता की समस्या न रहे।

यह मंत्रालय राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को उनके कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के रूप में प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर सिकल सेल एनीमिया के लिए जांच और औषधियों की खरीद के लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। प्रभावित राज्यों में एनएससीईएम सहित रक्त विकारों की जांच के लिए बजटीय आवंटन का विवरण अनुलग्नक में दिया गया है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने विभिन्न राज्यों में जनजातीय कार्य मंत्रालय (एमओटीए) द्वारा वित्तपोषित एससीडी पर उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना के लिए लागत मानदंडों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आज की तिथि के अनुसार, देश में एमओटीए द्वारा 15 उत्कृष्टता केंद्रों को मंजूरी दी गई है, जिनकी कुल लागत 38.38 करोड़ रुपए है, जिसमें छत्तीसगढ़ के एम्स रायपुर में उत्कृष्टता केंद्र के लिए 2.016 करोड़ रुपए शामिल हैं।

अनुलग्नक

<u>वित्त वर्ष 2023-24 के लिए एनएचएम के अंतर्गत सिकल सेल जांच सहित रक्त विकारों की जांच के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार राज्य कार्यक्रम कार्यान्वयन योजना (एसपीआईपी) अनुमोदनों को दर्शाने वाला विवरण</u>

(लाख रुपए में)

क्र.सं.	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**	**एसपीआईपी अनुमोदन (2023-24)**
1.	आंध्र प्रदेश	798.83
2.	असम	31.20
3.	बिहार	50.00
4.	छत्तीसगढ़	1,536.36
5.	गुजरात	505.68
6.	झारखंड	407.50
7.	कर्नाटक	225.39
8.	केरल	3,848.40
9.	मध्य प्रदेश	1,210.00
10.	महाराष्ट्र	2,017.10
11.	ओडिशा	2,475.38
12.	राजस्थान	251.47
13.	तमिलनाडु	12,279.60
14.	तेलंगाना	-
15.	उत्तर प्रदेश	15,193.24
16.	उत्तराखंड	482.19
17.	पश्चिम बंगाल	777.96

नोट:

1. उपर्युक्त डेटा राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा प्रस्तुत उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार है और अनंतिम है।

*****